उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–48
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 11 अक्टूबर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

अराजकतावादी हो गए नाकाम, 'भीड़तंत्र' पर 'लोकतंत्र' की जीत हुई : संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि जंतर–मंतर पर हुआ विरोध पूरे देश की स्थिति को नहीं दिखाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अच्छे शासन के तहत आगे बढ़ रहा है। पात्रा ने आरोप लगाया कि कुछ अराजकतावादी ताकतें पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय राजधानी में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। जंतर–मंतर की कहानी भारत की कहानी नहीं है। जंतर–मंतर पर जो हो रहा है, जो आप टीवी और कुछ सोशल मीडिया हैंडल पर देख सकते हैं, वह भारत की कहानी नहीं है। भारत शांत है और अच्छे शासन के तहत आगे बढ़ रहा है। हम देख रहे हैं कि कुछ अराजकतावादी ताकतें पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एक कोने में अराजकता फैला रही हैं।

उन्होंने कहा, लेकिन आज अराजकतावादी नाकाम हो गए हैं। पात्रा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी को बंधक बनाने और आगजनी व हिंसा भड़काने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा, अराजकतावादी तत्वों का फ्लॉप शो पूरी तरह से नाकाम हो गया है। भारत की राष्ट्रीय राजधानी को बंधक बनाने की कोशिश की गई थी। ताकि यहाँ आगजनी हो, हिंसा हो। पात्रा ने आगे कहा, आज भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई है।

इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के दिन, सुरक्षा बलों ने धौला कुआँ पर कंटेंट क्रिएटर्स समेत कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों को तय विरोध स्थल तक पहुँचने से रोकने के लिए प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर बड़े पैमाने पर हिरासत, गाड़ियों की सघन जाँच और कई एजेंसियों की तैनाती की खबरें आईं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ढिल्लों की आप को नसीहत

चंडीगढ, एजेंसी। पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने आप सरकार को दो मुद्दों पर घेरा। उन्होंने सरकारी स्कूलों में पेरेंट्स–टीचर बैठकों के दौरान 'मावां–धीयां सतकार योजना' के प्रचार और अभिभावकों से प्रशंसा संदेशों के वीडियो बनवाने के कथित निर्देशों पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूलों को राजनीतिक प्रचार का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए।

ढिल्लों ने कहा कि पेरेंट्स–टीचर बैठक का मकसद बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति, शैक्षणिक प्रगति और उनकी समस्याओं पर चर्चा करना है। शिक्षकों को सरकारी योजनाओं के प्रचार में लगाने के बजाय सरकार को रिक्त शिक्षक और लेक्चरर पद भरने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा के नाम पर अपनी राजनीतिक ब्रांडिंग कर रही है।

ढिल्लों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के कार्यालय से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई जांच को लेकर सरकार के संघीय ढांचे संबंधी तर्क पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच का आदेश भाजपा या केंद्र सरकार ने नहीं, बल्कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने दिया है।

हाईकोर्ट ने ईडी की ओर से पंजाब पुलिस को भेजे गए पत्रों पर कार्रवाई न होने के बाद सीबीआई को जांच सौंपी है। ढिल्लों ने कहा कि सीबीआई जांच शुरू होते ही आप को संघीय ढांचा खतरे में नजर आने लगा है। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

हेरोइन के साथ आइस ड्रग बरामद

अमृतसर, एजेंसी। भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अमृतसर सेक्टर में नशा तस्करी की कोशिशों के बीच बीएसएफ के जवानों ने तीन अलग–अलग मामलों में 10 किलो से अधिक नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। बरामद खेप में 9 किलो 315 ग्राम हेरोइन और एक किलो से अधिक आइस ड्रग (मेथामफेटामाइन) शामिल है। तीनों मामलों में अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बीएसएफ अधिकारियों की शिकायत पर अमृतसर देहात पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पहला मामला घरिंडा क्षेत्र का है।

अमेरिका ने आईसीसी पर प्रतिबंध लगाए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका अदालत के साथ लेन–देन पर प्रतिबंध लगाएगा। उन्होंने कहा कि वह इसे अमेरिकियों पर मामला चलाने की इजाजत नहीं देगा। श्री रुबियो ने घोषणा से पहले एक बयान में कहा, ष्राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी भी आईसीसी को अमेरिकियों पर मामले चलाने की इजाजत नहीं देंगे।

प्रधानाचार्य को धमकी देने के मामले में तीन लोग हिरासत में

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के रामनगर डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन के निर्देश पर कॉलेज में सेवा संकल्प अभियानश आयोजित होना था। इसमें जिलाधिकारी नैनीताल, विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में आम लोग को शामिल होना था।

राजौरी में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में एक यात्री वाहन के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजौरी के मोघला तरयाथ के बधोग इलाके में यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

फ्री राशन की सूची में फिर से छंटनी की तैयारी

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र परिवारों की पहचान करने और पात्र लोगों को योजना से जोड़ने के लिए राजस्थान में अब घर–घर सर्वे होगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक शहरी क्षेत्रों में यह अभियान चलाएगा। इस दौरान अधिकारी राशन कार्डधारकों की पात्रता की जांच करेंगे। जो परिवार योजना के नियमों के तहत अपात्र पाए जाएंगे, उन्हें खाद्य सुरक्षा सूची से नाम हटवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके बावजूद नाम नहीं हटवाने पर नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी। विभाग के उपायुक्त एवं उप शासन सचिव सुनील पूनिया ने इस संबंध में सभी जिला रसद अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। विभाग का यह अभियान शहरी क्षेत्रों के उन वार्डों में चलाया जाएगा, जहां वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 80 प्रतिशत से अधिक आबादी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल है।

खेत में संदिग्धावस्था में किसान की मौत

भीलवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान में भीलवाड़ा के बिजोलिया थाना क्षेत्र में खेत पर फसल की सिंचाई करने गए एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उमाजी का खेड़ा पंचायत के अमरनिवास गांव निवासी मनोज धाकड़ (40) सुबह फसल को पानी देने के लिए खेत पर मोटर चलाने गया था। देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई।

तलाश करते हुए परिजन खेत पर पहुंचे तो मनोज मृत अवस्था में मिला। परिजन उसे लेकर बिजोलिया उप जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

हैंडबाल में पहले दिन झांसी और प्रयागराज का दबदबा

टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट का स्पोर्ट्स स्टेडियम बेटियों के जोश और जुनून से गूंज उठा। खेल निदेशालय के सहयोग से सब जूनियर बालिका हैंडबाल प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इसमें प्रदेश के 14 मंडलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहले दिन झांसी और प्रयागराज की टीम का दबदबा रहा। पहले दिन चार मैच खेले गए। पहले मैच में प्रयागराज ने कानपुर को 9–1 से हराया। दूसरे मैच में झांसी ने मेजबान चित्रकूट को 9–0 से मात दी। तीसरे मैच में आजमगढ़ ने सहारनपुर को 11–1 से रौंदा, जबकि चौथे मुकाबले में वाराणसी ने बस्ती को 12–7 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। प्रतियोगिता से पूर्व मुख्य अतिथि जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। डीएम ने कहा कि खेल जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, खेलने से ही उज्ज्वल भविष्य बनता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि खिलाड़ियों के लिए हर संभव मदद की जाएगी। क्रीड़ाधिकारी अरविंद कुमार सोनकर, जिला क्रीड़ाधिकारी महोबा संदीप गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिलाधिकारी का स्वागत किया। निर्णायक मंडल में प्रेम प्रकाश सिंह, मोहम्मद सिराज, नवनीत सिंह, रणविजय त्रिपाठी, शिवानी शर्मा, मीरा यादव समेत कई अनुभवी निर्णायक शामिल रहे।

तेज रफ्तार बाइक ने मासूम को रौंदा, कानपुर में इलाज के दौरान तोड़ा दम, परिवार में मचा कोहराम

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। जिले के तिंदवारी कस्बे में बांदा–फतेहपुर राजमार्ग पर दलजीत पेट्रोल पंप के पास गुरुवार सुबह बाइक की टक्कर से घायल आठ वर्षीय बालक की कानपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। बालक को गंभीर हालत में बांदा से कानपुर रेफर किया गया था।

मृतक धर्मेंद्र उर्फ अंशु के बड़े भाई शशिकांत ने बताया कि उसका छोटा भाई गुरुवार सुबह तिंदवारी थाना क्षेत्र के मुंगुस गांव स्थित ननिहाल पैदल जा रहा था। दलजीत पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए बांदा अस्पताल ले गए, जहां से कानपुर रेफर कर दिया गया।

यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बालक की नानी भगवनियां ने बताया कि उनकी बेटी सीमा देवी नरैनी क्षेत्र के परसहा गांव की निवासी हैं। वह अपने पति के साथ तिंदवारी कस्बे के तेरही माफी रोड पर किराये के मकान में रहती हैं। पति–पत्नी मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। बालक की मौत की सूचना फोन से मिली। धर्मेंद्र दो भाइयों में छोटा था। ननिहाल में उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

मणिकर्णिका सम्मेलन में छात्राओं ने सीखे आत्मनिर्भरता के मंत्र

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कानपुर प्रांत की ओर से आयोजित मणिकर्णिका युवती सम्मेलन में सैकड़ों छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दो सत्रों में हुए सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही महिलाओं ने छात्राओं से संवाद कर अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने छात्राओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता सीमा पटनाहा, उच्च क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी डॉ. दीपाली गुप्ता, एबीवीपी की प्रांत पदाधिकारी डॉ. विज्ञा मिश्रा, डॉ. सबीहा रहमानी, डॉ. जिज्ञासा तिवारी, डॉ. जयंती और अनुपमा त्रिपाठी मौजूद रहीं।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने मांगों के संबंध में दिया धरना

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार की अगुवाई में संविदा कर्मियों ने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, महंगाई भत्ता, पीपीएफ और अनुकंपा नियुक्ति समेत आठ सूत्रीय मांगें रखीं। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित होने की स्थिति बनी रही। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर तीन दिन धरना रहेगा। डॉ. बृजेश भारती, डॉ. सिद्धार्थ मनोहर, अभिषेक अग्रहरी, नितेश गुप्ता, वैभव सिंह आदि कर्मचारी मौजूद रहे। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ आशा कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग दिया।

गैर इरादतन हत्या के मामले में पांच साल की कठोर सजा

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम अफशां ने ` छह साल पुराने मामले में फैसला सुनाया। गैर इरादतन हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। राठ थाना क्षेत्र के नंदना गांव निवासी देवसिंह उर्फ कल्लू के खिलाफ 25 मई 2020 को राठ थाने में धारा 304 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि उसने अपने चाचा के सिर पर पत्थर से वार कर दिया था। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई थी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया।

मामले की सुनवाई एडीजे प्रथम की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने और साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने आठ अक्तूबर 2026 को देवसिंह उर्फ कल्लू को दोषसिद्ध कर दिया। न्यायालय ने उसे पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। जिला व शहर कांग्रेस कमेटी और इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने आंबेडकर चौराहे से गांधी प्रतिमा तक विरोध मार्च निकाला।

यह मार्च वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत आयोजित हुआ। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विरोध जताया और कई मांगें उठाईं। नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। उनके कार्यकाल के निर्णयों की समीक्षा और एसआईआर वापस लेने की भी मांग की गई।

पुतला फूंकने से पहले पुलिस ने छीना, सपाइयों ने पोस्टर जलाए

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में समाजवादी पार्टी व छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। बड़े चौराहे से तहसील तक जुलूस के रूप में पहुंचे और मुख्य गेट पर पुतला फूंकने लगे। पुतला में आग लगती इसके पहले ही कार्यकर्ताओं से पुलिस ने छीनकर उसे कब्जे में ले लिया। इसके बाद सपाइयों ने सीईसी के पोस्टर जलाकर विरोध जताया।

प्रदर्शन की अगुवाई समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने की। कार्यकर्ताओं ने एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके चलते पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटने की आशंका है। उन्होंने एसआईआर को समाप्त कर, मतदाता सूची का पारदर्शी तरीके से पुनर्मूल्यांकन कराने और कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लिए थे। पुतला लेकर जब कार्यकर्ता मुख्य गेट पर पहुंचे लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से वह फूंक नहीं पाए।

पुतला छीनने को लेकर तकरार भी हुई। सीओ राजकुमार पांडेय, कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने एसडीएम करनवीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। यहां संजय यादव, मनीष यादव सिसोलर, मानसिंह यादव राठ, जितेंद्र यादव, अतर सिंह, राजेश सविता और सोनू यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एशिया मास्टर तैराकी प्रतियोगिता में पिता ने जीता स्वर्ण पदक, बेटे को पांचवां स्थान

टी0आई0एल0 संवाददाता

उन्नाव। बंगलूरू में आयोजित दूसरी एशिया मास्टर तैराकी प्रतियोगिता में जिला कीड़ा स्टेडियम के कोच विकास अवस्थी और उनके पिता प्रकाश अवस्थी ने प्रतिभाग किया। इसमें पिता ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि बेटे को पांचवां स्थान मिला। तीन से 10 अक्तूबर के बीच बंगलूरू में प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इसमें कोच विकास अवस्थी ने आयु वर्ग 45–48 में 50 मीटर बैक स्ट्रोक तैराकी में प्रतिभाग किया। विकास को प्रतियोगिता में पांचवां स्थान मिला। उनके पिता प्रकाश अवस्थी ने आयु वर्ग 70–74 में जोरदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस स्वर्णिम सफलता पर लोगों ने बधाई दी है।

22 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर का आदेश रद्द

(नि0 संवाददाता)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकारी कर्मचारी पर ड्यूटी के दौरान आरोप लगने पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से पहले मामले की सावधानीपूर्वक जांच जरूरी है। हालांकि, इस प्रक्रिया को मिनी ट्रायल में नहीं बदला जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की एकल पीठ ने महाराजगंज के उप निरीक्षक (एसआई) समेत 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। घुघुली थाने में तैनात उप निरीक्षक राकेश कुमार यादव की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए कोर्ट ने प्रदेश के सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से पहले पुलिस का पक्ष और वैधानिक प्रक्रिया पर विचार करें। कोर्ट ने जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को मासिक बैठकों में इन निर्देशों के अनुपालन की निगरानी करने का भी आदेश दिया।

बदमाशों ने महिला से चेन लूटी

टी0आई0एल0 संवाददाता

मेरठ। नौचंदी क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने शाम सरेराह रतन कुंज कॉलोनी निवासी चांदनी श्रीवास्तव से चेन लूट ली। विरोध करने पर बदमाशों ने बाइक नहीं रोकी और महिला को करीब 200 मीटर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग बदमाशों के पीछे दौड़े। भीड़ को पीछा करते देख बदमाश रंगोली मंडप की ओर भागे। इस दौरान उनकी बाइक गड्ढे में गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई। बदमाश बाइक छोड़कर भाग गए। पुलिस ने बाइक कब्जे में ले दी है और बदमाशों की तलाश में लगी है।

कानपुर में कोडीनयुक्त कफ सिरप की 25000 शीशियां बरामद, एक गिरफ्तार

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। बाबूपुरवा क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर ढकनापुरवा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने छापा मारकर 25 हजार कोडीन युक्त कफ सिरप की शीशियां पकड़ीं। एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। बरामद माल की कीमत लगभग 2.95 करोड़ रुपये है। यह टर्बो टी नामक 100 एमएल वाला सिरप 250 कार्टन में दिल्ली से आया था। यह सिरप हरिद्वार इंडस्ट्रियल पार्क 2 शिडकुल स्थित फार्मा हब ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में बना है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के मगरपट्टी निवासी मिहिर कुमार ठाकुर के रूप में हुई। वह गुजैनी में रह रहा था। उसने बताया कि प्रयागराज के आशुतोष तिवारी उर्फ प्रवेश तिवारी ने नोवोट्रिक्स लाइफ साइसेंस के नाम से फर्म बनाई थी। फर्जी बिल्टियों से दिल्ली और गुजरात से माल मंगाकर प्रयागराज व वाराणसी में सप्लाई किया जाता था। इसमें दिल्ली से पंकज धीर और प्रयागराज से सुमित यादव मदद करते थे। एएनटीएफ के दरोगा अमन सिंह की तहरीर पर मिहिर, आशुतोष, सुमित और पंकज धीर के खिलाफ नारकोटिक्स ड्रग और साइको सबस्टेंस उत्पाद अधिनियम की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी और माल को बाबूपुरवा पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इसके साथ ही सैंपल जांच के लिए ड्रग इंस्पेक्टर को दिए गए हैं।

एएनटीएफ कानपुर इकाई के सीओ मनोज कुमार सिंह और निरीक्षक अइनुद्दीन के मुताबिक, आरोपी मिहिर ने बताया कि राजधानी इंटरस्टेट ट्रांसपोर्ट का मालिक कुंवर राज सिंह चड्ढा हरियाणा के गुरुग्राम का निवासी है। चड्ढा अपने ट्रांसपोर्ट के अलावा टीपी नगर में छोटे गोदामों में प्रतिबंधित पदार्थों को छिपाता है। यह माल भी 700 मीटर दूर ढकनापुरवा में आशारानी गुप्ता के मकान में बने गोदाम में छिपा रखा था। यह गोदाम कुंवर राज चड्ढा ने 5500 रुपये महीने के किराये पर ली थी।

राज्यसभा सांसद रामप्रताप सिंह ने अफसरों को चेताया, समर्थकों ने किया स्वागत

टी0आई0एल0 संवाददाता

आगरा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद रामप्रताप सिंह चौहान ने एक बार फिर अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ताओं का काम नहीं रुकना चाहिए। कार्यकर्ताओं के मान–सम्मान को कभी झुकने नहीं दिया जाएगा। दोपहर करीब सवा दो बजे लखनऊ से पहली बार आगरा आगमन पर उनका काफिला इनर रिंग रोड स्थित रहनकलां टोल प्लाजा पहुंचा। यहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद ने कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन चल रहा है। इसमें जो भी अराजकता फैलाएगा, वह निश्चित रूप से कार्रवाई का भागीदार होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कार्यकर्ताओं से उनके निर्देशों का पालन करने की अपील की। यूजीसी बिल पर बिना किसी का नाम लिए रामप्रताप सिंह चौहान ने कहा कि सवर्ण, पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के लोग एक ही गुलदस्ते के फूल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारी बगिया के माली हैं। वह इस खूबसूरत बगिया को कभी उजड़ने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यूजीसी बिल अभी लागू ही नहीं हुआ है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वर्ष 2017 को 2027 में फिर दोहराएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएंगे।

Call:0522-6537101, 9839919728
e-mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com
web:www.tvindialive.in
www.tvindialive.com
www.tilexpress.in

TIL Express
WEEKLY HINDI NEWSPAPER
Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency
Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road , Lucknow. 226012 (U.P.)

मशीन के पहिये उतरने से पांच घंटे ठप रहा रेल यातायात

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। लखनऊ–रायबरेली रेल मार्ग पर बछरावां–कुंदनगंज रेलखंड में पहुरावां गांव के निकट ट्रैक पर काम कर रही मशीन के दो पहिये पटरी से उतर गए। इससे पांच घंटे तक रेल यातायात ठप रहा। वंदेभारत, पंजाब मेल समेत चार महत्वपूर्ण ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोकना पड़ा। लखनऊ से आई एक्सिडेंटल रिलीफ ट्रेन (एआरटी) ने मशीन को वापस पटरी पर रखा। ट्रैक में आई खामियों को दूर करने के बाद ट्रेनों को पास कराया गया।

वरिष्ठ खंड अभियंता (रेल पथ) विजय कालरा ने बताया कि प्राथमिक रूप से घटना की छानबीन करने के साथ ही क्षति का आकलन कराया जा रहा है। उच्च स्तरीय जांच के लिए भी टीम बनाई जा सकती है। यातायात निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि शाम छह बजे के बाद ट्रेनों का आवागमन सामान्य हो गया है। कुंदनगंज–बछरावां रेलखंड में डाउन लाइन पर ट्रैक मेंटीनेंस का काम चल रहा था। गिट्टियों को ठीक करने के लिए मशीन दौड़ाई जा रही थी, जिसके दो पहिये दोपहर लगभग 1रू20 बजे पटरी से उतर गए। शाम 4 बजे के बाद लखनऊ से एआरटी पहुंचने के बाद राहत कार्य शुरू हुआ। इसके बाद शाम 6 बजे के बाद यातायात सामान्य हुआ तो ट्रेनों का आवागमन पुनः शुरू कराया गया।

सम्पादकीय

सेवा, संकल्प और समर्पण की यात्रा

25 वर्षों की इस गौरवपूर्ण यात्रा को पीछे मुड़कर देखते हैं तो यह केवल एक नेता के राजनीतिक जीवन का आलेख नहीं लगता, बल्कि यह देश के बदलते राजनीतिक, सामाजिक और विकास के सफर से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय दिखाई देता है। प्रधानमंत्री मोदी जी की यह 25 वर्षों की यात्रा 'सेवा, संकल्प और समर्पण' की यात्रा है। यह 140 करोड़ भारतीयों के बढ़ते आत्मविश्वास की यात्रा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 7 अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक मोदीजी ने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। विनाशकारी भुज भूकंप की पृष्ठभूमि में ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। मोदीजी ने भुज और कच्छ क्षेत्र में पुनर्वास, पुनर्निर्माण और नवनिर्माण के कार्यों को गति प्रदान की। वर्ष 2003 में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरुआत की।

इस सम्मेलन के माध्यम से दुनिया भर की बड़ी कंपनियों और उद्योगपतियों को गुजरात में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह गुजरात मडल देशवासियों को पसंद आया, क्योंकि उसी समय देश में विकास के नाम पर किए जा रहे खोखले वादों, भ्रष्टाचार और गरीबी हटाने के नाम पर अमीरों की तिजोरियां भरने के प्रयासों के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा था। उन असंतोष की चिंगारियों को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने का काम मोदीजी ने किया। वर्ष 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत–इन दोनों के बीच बड़ा अंतर दिखाई देता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की नीतियों में विकास, बुनियादी ढांचा, डिजिटल तकनीक, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया। नई शिक्षा नीति, नए फौजदारी कानून और तीन तलाक के खिलाफ कानून जैसे निर्णय भी मोदी सरकार के कार्यकाल में लिए गए।

जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लेने का साहस भी मोदी सरकार ने दिखाया। पिछले 12 वर्षों में लिए गए ऐसे असंख्य निर्णयों के कारण भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और सामाजिक नीतियों की दिशा पर व्यापक और अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विकास के एजेंडे के साथ–साथ सांस्कृतिक विरासत को भी इस दौर में ऊंचाई पर ले जाने का कार्य हुआ। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा का भव्य समारोह, काशी विश्वनाथ धाम का विकास, महाकाल लोक तथा विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों के विकास के माध्यम से धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित किया गया। 'विकास के साथ विरासत' की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए आधुनिक बुनियादी सुविधाओं के साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर भी जोर दिया गया है।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में केंद्र सरकार की सार्थक पहलों से प्रेरित होकर महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने भी इस दिशा में कई योजनाएं शुरू की हैं। जैसे श्मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजनाश या बेटियों को उच्च शिक्षा देने का निर्णय। मोदी जी के नेतृत्व में सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर भारत ने अधिक कठोर रुख अपनाते हुए दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब दिया।

ब्रिक्स, ग्लोबल साउथ, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल तकनीक, योग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर भारत ने अपनी एक अलग भूमिका प्रस्तुत की है। भारत की बढ़ती आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक क्षमता को आज महत्व प्राप्त हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की नई और सक्षम पहचान बनाने का श्रेय मोदी जी को जाता है। इसी कारण लगभग 36 देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से मोदीजी को सम्मानित किया है। मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का पिछले 12 वर्षों का कार्यकाल महाराष्ट्र के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण रहा है। 2014 से पहले के 10 वर्षों के दौरान महाराष्ट्र के विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार ने मात्र दो लाख करोड़ रुपये दिए थे। वहीं 2014 से 2024 के दौरान महाराष्ट्र को 12 लाख करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई। नई परियोजनाएं महाराष्ट्र के लिए हर दृष्टि से 'गेमचेंजर' परियोजनाएं हैं।

कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भी महाराष्ट्र के नागरिकों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मई 2026 तक 18 लाख गरीब परिवारों के घर पूरे हो चुके हैं। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल आपूर्ति का प्रमाण 33 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गया है।महाराष्ट्र के विकास के साथ–साथ राज्य की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अस्मिता को भी केंद्र सरकार के निर्णयों के माध्यम से महत्व मिला है। छत्रपति शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक किलों का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में समावेश, डा. बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थों का विकास और मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा देने का निर्णय महाराष्ट्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुए हैं।

विरोध में भी कांग्रेस-आप साथ नहीं

अशोक त्रिपाठी

एसआईआर को लेकर विपक्षी दल जबर्दस्त विरोध जता रहे हैं और नेतृत्व कांग्रेस कर रही है लेकिन अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना चाहती है। इसीलिए 7 अक्टूबर को एक तरफ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जंतर–मंतर जाने के लिए पुलिस से भिड़ रहे थे तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के नेता कश्मीरी गेट इलाके में दिल्ली चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहे थे। आम आदमी पार्टी के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सौरभ भारद्वाज कर रहे थे। उनकी शिकायत थी कि आप ने इंडिया गठबंधन के सभी घटकों को आमंत्रित किया लेकिन कोई नहीं आया। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस के स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी कश्मीरी गेट पहुंचे लेकिन तक, जब आप का प्रदर्शन खत्म हो चुका था। इससे पहले वामपंथी दलों का भी विरोध प्रदर्शन उसी जगह हुआ। इस प्रकार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में विपक्ष बिखरा–बिखरा दिख रहा है। हालांकि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी 10 अक्टूबर से दिल्ली में इसी मुद्दे पर प्रदर्शन की चेतावनी दे रखी है। उधर, भाजपा के नेता प्रदर्शनकारियों का विरोध कर रहे हैं। बिहार के सांसद गिरिराज सिंह कहते हैं कि कसाई के श्राप से गाय नहीं मरती। भाजपा के अन्य नेता भी चुनाव आयोग को क्लीन चिट दे रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तमाम विपक्षी पार्टियां विरोध प्रदर्शन कर रही हैं और इस बीच आप और कांग्रेस में क्रेडिट को लेकर जंग भी छिड़ गई है। एसआईआर को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच विपक्ष के दलों में अपना ही कंपटीशन चल रहा है। एक तरफ, राहुल गांधी जंतर–मंतर जाने के लिए पुलिस से भिड़ रहे थे तो दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी के नेता कश्मीरी गेट इलाके में दिल्ली चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो के नारे लगा रहे थे। आम आदमी पार्टी के प्रोटेस्ट को सौरभ भारद्वाज ने लीड किया। सौरव भारद्वाज ने बताया कि आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होने का न्योता इंडी अलायंस की दूसरी पार्टियों को भी दिया गया था लेकिन कोई नहीं आया। ये गलत है। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सबको मिलकर प्रोटेस्ट करना चाहिए।

बताते हैं जैसे ही आम आदमी पार्टी का प्रोटेस्ट खत्म हुआ तो उसी जगह पर लेफ्ट फ्रंट के कार्यकर्ता पहुंच गए। उन्होंने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। लेफ्ट का प्रोटेस्ट खत्म हुआ तो कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के कार्यकर्ता दिल्ली चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर प्रोटेस्ट करने पहुंच गए। कांग्रेस के वर्कर्स ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। कांग्रेस और लेफ्ट का ये रुख आम आदमी पार्टी के नेताओं को अखर गया। आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने कहा कि कांग्रेस बीजेपी के बजाय आम आदमी पार्टी से लड़ने में ताकत लगा रही है। इससे साफ है कि वोट चोरी जैसे बड़े मुद्दे पर भी कांग्रेस गंभीर नहीं है। आम आदमी पार्टी को कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जो बीजेपी से लड़ना चाहता है, उसे राहुल के साथ आना होगा। जो पार्टियां अपनी अलग–अलग ढपली बजा रही हैं, उनका कोई भविष्य नहीं है।

ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच क्रेडिट की जंग चल रही है। इसी बीच एक तीसरा मोर्चा भी खुल गया। अब सीजेपी ने 10 अक्टूबर से जंतर–मंतर पर प्रोटेस्ट की कॉल दे दी है। सीजेपी के लीडर्स ने दिल्ली पुलिस को अपने प्रोटेस्ट की लिखित जानकारी दी है और ऐलान कर दिया कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक जंतर–मंतर पर मजमा लगा रहेगा। संसद मार्ग थाने में पुलिस अफसरों से मुलाकात के बाद सीजेपी के फाउंडर मेंबर सौरभ दास ने कहा कि किसी भी डेमोक्रेसी में प्रोटेस्ट के लिए परमिशन की जरूरत नहीं होती है। सीजेपी ने अपने प्रदर्शन की जानकारी पुलिस को दी है ताकि पुलिस ट्रैफिक डायवर्जन से लेकर सिक्योरिटी अरेंजमेंट्स को दुरुस्त कर ले। सौरव दास ने कहा कि जंतर–मंतर पर होने वाला आंदोलन सीजेपी का नहीं, देश के नौजवानों का है और युवा तभी जंतर–मंतर से उठेंगे जब उनकी मांगें पूरी हो जाएंगी। उधर, प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी ने सड़क पर लेटे रहने की बहुत कोशिश की, लेकिन दिल्ली पुलिस ने राहुल संग हिरासत में ले लिया।

एसआईआर और चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन के तीसरे दिन कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों और मुख्यमंत्रियों को दिल्ली बुलाया। कांग्रेस के साथ टीएमसी, लेफ्ट पार्टियों के साथ–साथ दूसरे दल भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस बीच ममता बनर्जी भी दिल्ली पहुंच गयी। वहीं, बेंगलुरू में आज सीजेपी फ्रीडम पार्क में प्रोटेस्ट कर रही थी। ये प्रोटेस्ट ज्ञानेश और महिलाओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ था। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। इस प्रोटेस्ट के बाद 10 अक्टूबर को भी सीजेपी ने दिल्ली में प्रोटेस्ट की घोषणा की है।

राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सड़कों पर उतरकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।भाजपा महिला मोर्चा का आरोप है कि हाल ही में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गाधी और कांग्रेस नेताओं द्वारा ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार और धक्का–मुक्की की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्दी में देश की सेवा कर रही महिला सुरक्षाकर्मियों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय है, और इसी के विरोध में आज लखनऊ की सड़कों पर यह मोर्चा खोला गया है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी के मन में महिलाओं के प्रति कोई सम्मान नहीं है। भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण का केवल राजनीतिक ढोंग करती है, जबकि हकीकत में उनके नेताओं का व्यवहार इसके बिल्कुल विपरीत है।

2017 से पहले कर्ज में डूबा था किसान, अब मिल रही 'सम्मान निधि' : सीएम योगी

टी0आई0एल0 संवाददात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के बाद कृषि क्षेत्र में आए अभूतपूर्व परिवर्तन से प्रदेशवासियों को अवगत कराया। उन्होंने अन्नदाता किसान को प्रदेश की अर्थव्यवस्था की ताकत और समृद्धि का आधार भी बताया।मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार आज अन्नदाता किसान को बीज से लेकर बाजार तक की सुविधा उपलब्ध करा रही है। वर्ष 2017 से पहले जो अन्नदाता किसान कर्ज, बदहाली व लाचारी में डूबा रहता था और बिचौलियों के चक्कर लगाने को मजबूर था, आज वही अन्नदाता किसान कर्ज से मुक्त होकर उन्नत बीज, सिंचाई, और डीबीटी के माध्यम

से एमएसपी एवं पीएम सम्मान निधि का लाभ ले रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दशकों से लटकी सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं। प्रदेश, देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हुई है। दुग्ध, गन्ना, गेहूं आदि के उत्पादन में यूपी देश में प्रथम स्थान पर है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अन्नदाता किसान की मेहनत का सम्मान एवं उसकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करते हुए वर्ष 2017 से मार्च 2026 के बीच प्रदेश में 80 लाख से अधिक किसानों से 519 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की गई और ध1,03,833 करोड़ से अधिक का सीधा भुगतान किया गया। उसी प्रतिबद्धता के साथ इस बार भी धान के समर्थन मूल्य में 71 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के लिए अन्नदाता किसान को प्रदेश की अर्थव्यवस्था की ताकत और समृद्धि का आधार बताया। उन्होंने कहा कि इसीलिए अन्नदाता किसान के अधिकार की रक्षा और उसकी खुशहाली हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लखनऊ पुस्तक मेले में किताबों पर चर्चा, चिकित्सकों का सम्मान

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। बलरामपुर गार्डन में लगा 23वां राष्ट्रीय पुस्तक मेला रविवार को समाप्त होगा। अंतिम दिनों में पाठकों की भीड़ बढ़ गई है। मेले में पुस्तकों का विमोचन और परिचर्चा सत्र जारी रहे। शाम के परिचर्चा सत्र में लेखक व सेवानिवृत्त आईपीएस हरीश कुमार की पुस्तक इटावा कल, आज और कल पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इसमें इटावा और औरैया के 87 गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी है। हरीश कुमार ने अपनी अन्य पुस्तकें कुंभ, पुलिस और पोटलीवाला और उत्तर प्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम और इटावा का भी उल्लेख किया। ये सभी पुस्तकें उनके लेखन कार्य का हिस्सा हैं।

इस दौरान आयोजक प्रगतिशील व्यापार मंडल के संस्थापक व प्रदेश अध्यक्ष सुग्रीव मौर्या मौजूद रहे। दि ट्रिब्यून के समारोह में चिकित्सकों, शिक्षाविदों और अन्य विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मिश्र की किताब दिल्ली दरबार भी चर्चा में रही। डॉ. आरके विश्वकर्मा, सधीर मिश्र, राजेश कुमार, दिनेश कुमार सहगल और मनोज सिंह चंदेल ने कई चिकित्सकों को सम्मानित किया।

महिलाओं को मुफ्त सिलिंडर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बांटी जाएगी अतिरिक्त साड़ी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। रसोई के खर्च से राहत और कामकाज में सहूलियत, योगी सरकार ने महिलाओं से जुड़े दो अहम निर्णयों के जरिए शुक्रवार को यह संदेश देने की कोशिश की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026–27 में दो निशुल्क एलपीजी सिलिंडर रिफिल देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। वहीं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को अब हर साल दो के बजाय तीन साड़ियां मिलेंगी। उज्ज्वला योजना पर 2142.78 करोड़ रुपये और अतिरिक्त साड़ी वितरण पर 19.02 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

कैबिनेट निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

ने बताया कि इन निर्णयों का सीधा लाभ उज्ज्वला योजना से जुड़ी महिलाओं और प्रदेश के 3,80,290 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को मिलेगा।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को चालू वित्तीय वर्ष में दो चरणों में निशुल्क एलपीजी सिलिंडर रिफिल उपलब्ध कराए जाएंगे। पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक और दूसरा चरण अगले वर्ष जनवरी से मार्च तक चलेगा। योगी सरकार पिछले वित्तीय वर्षों में भी होली और दीपावली के अवसर पर दो चरणों में मुफ्त सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराती रही है। हालांकि, मुफ्त रिफिल का लाभ उन्हीं उज्ज्वला लाभार्थियों को मिलेगा, जिनके बैंक खाते आधार से लिंक होंगे और आधार प्रमाणित होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और मैदानी क्षेत्रों में काम करने वाली आंगनबाड़ी कर्मियों को निर्धारित वेशभूषा के नियमित इस्तेमाल में कई व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ध्ुलाई, प्रतिकूल मौसम और आकस्मिक परिस्थितियों में साड़ी गंदी या खराब होने पर दूसरी साड़ी की जरूरत पड़ती है। अतिरिक्त साड़ी मिलने से ऐसी परिस्थितियों में उन्हें राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद शुक्रवार को कैबिनेट में भी भदोही जिले का नाम श्संत रविदासनगर भदोहीश करने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। संत रविदास द्वारा किए गए सामाजिक व सांस्कृतिक योगदान के मद्देनजर सरकार ने यह निर्णय लिया है। वित्त मंत्री ने बताया कि पहले भी जब इसका नाम संत रविदासनगर के नाम पर रखा गया था उस समय सपा की सरकार ने इसे बदल दिया था।

मूल आरसी के लिए भटक रहे 80 हजार आवेदक, अफसर टरका रहे

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। दीपक वर्मा लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं। उन्होंने सेकेंड हैंड कार यूपी–31 सीएन 0561 खरीदी।

फेसलेस सेवा के तहत उन्होंने कार ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी की। ए–4 साइज पेपर में आरसी प्रिंट कर ली। लेकिन ओरिजनल आरसी के लिए वह लखीमपुर से लखनऊ आरटीओ और परिवहन विभाग मुख्यालय तक भटक रहे हैं। लेकिन अफसर उनकी समस्या सुनने तक को तैयार नहीं हैं।यह समस्या सिर्फ दीपक वर्मा की ही नहीं है। बल्कि प्रदेशभर में 80 हजार से ज्यादा आवेदक मूल आरसी के लिए भटक रहे हैं। दरअसल, परिवहन विभाग ने फेसलेस व्यवस्था लागू कर दी है।

आवेदकों को आरटीओ जाने की आवश्यकता नहीं है।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर–बिजनौर इलाके में शाम तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार राकेश कुमार (32) की मौत हो गई। हादसे के बाद भाग रहे बस चालक को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

इंस्पेक्टर कपिल गौतम के मुताबिक, मूलरूप से बाराबंकी के रामनगर बसंतपुर निवासी राकेश बिजनौर की शिवपुरी कॉलोनी में रहते थे। वह बिजनौर अंडरपास के पास छोले–भटूरे की दुकान लगाते थे। शाम करीब 7रू30 बजे दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। बिजनौर–माती रोड पर एंक्राइट स्कूल के पास पीछे से आ रही बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल राकेश को पुलिस लोकबंधु अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वायुसेना की कमान आशुतोष को

–रमेश सर्राफ

सरकार ने एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। वह 31 अक्टूबर 2026 की दोपहर से एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यभार संभालेंगे। वर्तमान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह इसी दिन सेवानिवृत्त होंगे। आशुतोष दीक्षित भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे। फिलहाल वह वायुसेना के उपप्रमुख यानी वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ के पद पर कार्यरत हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, आशुतोष दीक्षित को एयर चीफ मार्शल के पद पर नियुक्त किया गया है और उनका कार्यकाल 31 दिसंबर 2028 तक रहेगा। करीब चार दशक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने लड़ाकू विमान उड़ाने से लेकर प्रशिक्षण, परीक्षण, परिचालन कमान और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। उनके अनुभव को देखते हुए यह नियुक्ति भारतीय वायुसेना के नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव मानी जा रही है।

आशुतोष दीक्षित का जन्म 9 दिसंबर 1966 को हुआ था। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू विमान शाखा में कमीशन प्राप्त किया। इसके बाद लगभग चार दशकों के करियर में उन्होंने कई तरह के लड़ाकू और परिवहन विमानों को उड़ाया। उनके पास 3500 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। वह एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। उनके उड़ान अनुभव में मिराज–2000, मिग के विभिन्न संस्करण, जगुआर, किरण, आईएल–78, हॉक और स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान तेजस जैसे विमान शामिल हैं। इस तरह उनका अनुभव केवल पारंपरिक लड़ाकू अभियानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नई विमान प्रणालियों के परीक्षण और प्रशिक्षण से भी जुड़ा रहा है। तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से उनका जुड़ाव भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

आशुतोष दीक्षित ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण परिचालन जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने मिराज–2000 स्क्वाड्रन की कमान संभाली और पश्चिमी क्षेत्र में एक अग्रिम लड़ाकू विमान अड्डे का नेतृत्व भी किया। इसके अलावा वह एक प्रमुख लड़ाकू प्रशिक्षण केंद्र की कमान भी संभाल चुके हैं। इन जिम्मेदारियों ने उन्हें युद्धक तैयारी, पायलट प्रशिक्षण और परिचालन योजना के विभिन्न पहलुओं का प्रत्यक्ष अनुभव दिया। उनका सैन्य करियर कई महत्वपूर्ण अभियानों से भी जुड़ा रहा है। उन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान चलाए गए ऑपरेशन सफेद सागर और ऑपरेशन रक्षक में भूमिका निभाई। हाल के वर्षों में ऑपरेशन सिंदूर से भी उनका जुड़ाव रहा है। इसके अलावा उन्होंने कोप इंडिया जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यासों में भी हिस्सा लिया। इन अभियानों और अभ्यासों के अनुभव से उन्हें बदलते सुरक्षा वातावरण और आधुनिक हवाई युद्ध की जरूरतों को समझने में मदद मिली है।

वायुसेना प्रमुख बनने से पहले आशुतोष दीक्षित कई महत्वपूर्ण रणनीतिक पदों पर रह चुके हैं। वह चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ यानी सीआईएससी के पद पर भी काम कर चुके हैं। इस भूमिका में उनका काम केवल वायुसेना तक सीमित नहीं था, बल्कि तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और संयुक्त सैन्य क्षमताओं से भी जुड़ा था। इसके अलावा वह सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ रह चुके हैं। उनकी शैक्षणिक और सैन्य प्रशिक्षण की पृष्ठभूमि भी व्यापक है। वह नेशनल डिफेंस अकादमी, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने बांग्लादेश स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वरिष्ठ कमान और रणनीतिक जिम्मेदारियों के लिए इस तरह का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि आधुनिक सैन्य नेतृत्व में केवल युद्धक अनुभव ही नहीं बल्कि रणनीतिक योजना और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की समझ भी जरूरी होती है।

आशुतोष दीक्षित को उनकी लंबी सेवा के दौरान कई सैन्य सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें 2006 में वायु सेना मेडल, 2011 में विशिष्ट सेवा मेडल, 2023 में अति विशिष्ट सेवा मेडल और 2026 में परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। परम विशिष्ट सेवा मेडल देश के सर्वोच्च सैन्य सेवा सम्मानों में शामिल है और यह असाधारण विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। उनके सामने वायुसेना प्रमुख के रूप में कई महत्वपूर्ण चुनौतियां होंगी। भारतीय वायुसेना इस समय अपने लड़ाकू विमान बेड़े के आधुनिकीकरण, वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और मानवरहित युद्धक प्रणालियों को विकसित करने पर जोर दे रही है। ड्रोन और काउंटर–ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणाली तथा अंतरिक्ष आधारित निगरानी जैसी क्षमताएं भविष्य के हवाई युद्ध में लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही हैं।

स्वदेशी रक्षा उत्पादन भी उनके कार्यकाल का एक अहम हिस्सा हो सकता है। भारतीय वायुसेना तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमानों की संख्या बढ़ाने के साथ–साथ देश में विकसित हथियार प्रणालियों और अन्य रक्षा तकनीकों को शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आशुतोष दीक्षित का स्वदेशी विमान कार्यक्रमों के साथ अनुभव सरकार की आत्मनिर्भरता की नीति के लिए उपयोगी माना जा सकता है। इसके साथ ही तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त अभियानों और बेहतर तालमेल की आवश्यकता भी बढ़ रही है। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के रूप में काम कर चुके आशुतोष दीक्षित को इस क्षेत्र का प्रत्यक्ष अनुभव है। ऐसे समय में जब भारत अपनी सैन्य संरचना को अधिक संयुक्त और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह अनुभव उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हो रही है जब भारत के सामने सुरक्षा चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। सीमाओं पर पारंपरिक सैन्य खतरे मौजूद हैं, वहीं ड्रोन, साइबर तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियां युद्ध की प्रकृति बदल रही हैं।

ऐसे वातावरण में वायुसेना प्रमुख के सामने केवल विमानों की संख्या बढ़ाने की चुनौती नहीं होगी, बल्कि पूरे वायु युद्ध तंत्र को आधुनिक बनाने की जिम्मेदारी होगी। आशुतोष दीक्षित के सामने तत्काल प्राथमिकताओं में वायुसेना की परिचालन तैयारियों को बनाए रखना, स्वदेशी प्लेटफॉर्म और हथियार प्रणालियों के इस्तेमाल को बढ़ाना, आधुनिक तकनीकों को सैन्य ढांचे में शामिल करना तथा तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त क्षमता को मजबूत करना शामिल हो सकता है।

आशुतोष दीक्षित के पास लड़ाकू विमान उड़ाने, नए विमानों के परीक्षण, प्रशिक्षण, अग्रिम परिचालन कमान और रणनीतिक सैन्य योजना का अनुभव है।

सियासी विरासत की तीसरी आंख

हिमाचल में राजनीति के यूं तो कई विभाजन और समीकरण उभर आते हैं, लेकिन विरासत के सबूत अब विवादित होने लगे हैं। हिमाचल में तीसरा मोर्चा हर चुनाव के कदमताल का परिचय है, तो इस बार भी विद्रोही पक्ष की खेती में 'वीरभद्र सिंह' की विरासत का नाम जुडने लगा है। जाहिर है आगामी चुनाव की परछाई में सोशल मीडिया शिरकत कर रहा है और इसी ने नए समीकरणों की पटकथा लिखनी भी शुरू की। जिक्र एक ऐसी कांग्रेस का, जो नाम और काम में वीरभद्र सिंह की विरासत को छूने लगी है। ऐसे नाम की पार्टी के राजनीतिक मकसद जो भी हों, लेकिन यहां अनुराग और वैमनस्य साथ चल रहा है। ऐसी किसी पार्टी का गठन, कांग्रेस में खोई हुई कांग्रेस में वीरभद्र सिंह के अक्स को खोजना रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आज भी वीरभद्र सिंह के पुचकारे हुए या वर्तमान सत्ता के दुत्कारे हुए कांग्रेसी अपने भंवर से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। ये एक ऐसी जमात का गठन कर रहे हैं जो वीरभद्र सिंह के नाम पर नैया पार करने के लिए वर्तमान सत्ता को चुनौती देना चाहते हैं। जाहिर है हिमाचल में कांग्रेस के भीतर वर्चस्व का युद्ध अतीत से आज तक रहा है और इस बार बदलाव के साथ सारी श्रृंखलाएं बदलीं, तो सदमे में ही कई लोग भाजपा के हाथ लग गए। मिशन कमल की चुनौती में अगर कांग्रेस का नया चेहरा खिल गया, तो इस महाभारत में नया अध्याय जुड़ गया। यहां हमारा विशखेषण उस संभावना को नहीं देख रहा जो वीरभद्र सिंह की विरासत में तीसरी आंख खोल सकता है, बल्कि यह है कि एक नेता की हैसियत आज भी राजनीति का एक समुद्र कहीं गहरे तक अशांत बैठा है।

बहरहाल, इस मामले की हकीकत में अब वीरभद्र सिंह परिवार भी आ गया है। बाकायदा चुनाव आयोग को शिकायत करते हुए अरदास की गई है कि वीरभद्र सिंह के नाम पर किसी नई पार्टी का गठन, उनके राजनीतिक घराने को मंजूर नहीं है। वीरभद्र सिंह की पत्नी व पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने ऐसे किसी नाम से पार्टी चलाने की कोशिशों के खिलाफ आपत्ति दर्ज की है। इस आपत्ति के कई संदेश हैं। जाहिर है वीरभद्र सिंह की सियासी विरासत का मूल्यांकन इतना कमजोर नहीं कि विरोध की कोई भी पलक इसे खुद पर बैठा ले।

अभिनय का अनूठा अध्याय

नाना पाटेकर का निधन हिंदी और मराठी सिनेमा के एक विशिष्ट अभिनय अध्याय का अवसान है। उनकी पहचान सिर्फ संवादों की बुलंदी, चेहरे के तनाव या आवाज की खनक से नहीं बनी, बल्कि उस अद्भुत क्षमता से बनी, जिसके बल पर वे पर्दे पर किसी पात्र को अभिनय करते हुए नहीं, बल्कि जीते हुए दिखाई देते थे। उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाने में रंगमंच से अर्जित अनुशासन, संवाद की लय, भावनाओं पर नियंत्रण और चरित्र की आंतरिक दुनिया को समझने की क्षमता की निर्णायक भूमिका रही। नाना की अभिनय शैली का सबसे बड़ा गुण था– बनावटीपन से दूरी। उनकी आंखें, चेहरे की कठोरता, आवाज में अचानक उभरता कंपन और संवाद के बीच का मौन भी अर्थ पैदा करता था।

वे पारंपरिक अर्थों में नायक की छवि के मोहताज नहीं थे। उनके पात्रों में क्रोध था, लेकिन उसके पीछे अक्सर पीड़ा, असुरक्षा, स्वाभिमान और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध भी दिखाई देता था। परिंदा में अन्ना के भयावह व्यक्तित्व से लेकर क्रांतिवीर के प्रताप नारायण तिलक, प्रहार के अनुशासित सैनिक और अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी साधु आगाशे तक उन्होंने विविध चरित्रों को अपनी छाप दी। अग्निसाक्षी, राजनीति, अपहरण और टैक्सी नंबर 9211 ने उनकी अभिनय–क्षमता के अलग–अलग आयाम सामने रखे। वेलकम में उदय शेट्टी के रूप में उनकी हास्य–प्रतिभा ने साबित किया कि तीव्र और गंभीर अभिनय के लिए प्रसिद्ध कलाकार दर्शकों को सहज हंसी भी दे सकता है।

मराठी फिल्म नटसम्राट में गणपतराव बेलवलकर का उनका अभिनय विशेष उल्लेखनीय रहा। एक वृद्ध रंगकर्मी के अकेलेपन, टूटते आत्मसम्मान और बिखरते संसार को उन्होंने जिस संवेदनशीलता से प्रस्तुत किया, वह उनकी रंगमंचीय जड़ों की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्हें मिलने वाले तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, पद्मश्री और तमाम पुरस्कारों से इतर उनके अभिनय की असली पहचान उन किरदारों में है, जो फिल्म समाप्त होने के बाद भी दर्शकों की स्मृति में बने रहते हैं।

नाना पाटेकर की शख्सियत का दूसरा पहलू उन्हें मात्र फिल्मी सितारा मानने से रोकता है। किसानों की बदहाली, सूखा, कर्ज और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक विवशता ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया। उनकी सामाजिक सक्रियता का महत्व इसलिए भी था कि वे किसानों की समस्याओं को महज भाषणों का विषय नहीं बनाना चाहते थे। उन्होंने अपनी लोकप्रियता का उपयोग उन लोगों की पीड़ा की ओर ध्यान खींचने के लिए किया, जिनकी आवाज अक्सर सत्ता और समाज के शोर में दब जाती है। किसानों के संकट को लेकर उनकी प्रतिबद्धता ने सार्वजनिक जीवन में एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी विदाई पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या भारतीय सिनेमा अभिनय की उस परंपरा को आगे बढ़ा सकेगा, जिसमें लोकप्रियता से अधिक महत्व चरित्र की सच्चाई को दिया जाता है? उनका जाना एक अभिनेता का बिछुड़ना भर नहीं, अभिनय की निर्भीकता, बेबाकपन, मानवीय संवेदना और सामाजिक प्रतिबद्धता के एक विशिष्ट संगम का विदा होना है।

किसानों को फसल बेचने में न हो कोई परेशानी : कृषि मंत्री

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अंबाला शहर, साहा और मुलाना अनाज मंडियों का औचक दौरा कर धान खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तय मानकों के अनुसार ही धान की खरीद की जाए। साथ ही किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुचारू होनी चाहिए। मंत्री ने मंडियों में धान की आवक, खरीद, उठान और भुगतान प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने साफ–सफाई, बारदाने की उपलब्धता, पेयजल और किसानों के लिए की गई अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। अंबाला शहर और साहा मंडियों के निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने धान की ढेरियों की नमी के स्तर की जांच की।

प्रदेश के 20,456 निजी स्कूलों को मिलेंगे 502 करोड़, आरटीई के 8.19 लाख बच्चों की फीस होगी प्रतिपूर्ति

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में पढ़ने वाले पात्र बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति के लिए 502 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 अक्टूबर को नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के जरिए शैक्षणिक सत्र 2024–25 की राशि निजी स्कूलों के खातों में अंतरित करेंगे। इससे प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों की निरूशुल्क शिक्षा में मदद मिलेगी। आरटीई के तहत गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवीं तक निरूशुल्क प्रवेश दिया जाता है। इन

विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति सरकार संबंधित स्कूलों को करती है। सरकार के अनुसार, वर्ष 2011 से अब तक 16 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की फीस के लिए 3,600 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री नरसिंहपुर में 45 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नए भवन का भी लोकार्पण करेंगे। विद्यालय में केजी–1 से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। परिसर में डिजिटल क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, मल्टीपर्पज हॉल और ऑडिटोरियम बनाए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान और परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

पटना में 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' की समीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना स्थित लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियानश के तहत निर्धारित कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आवश्यकतानुसार नए स्वास्थ्य उप–केंद्र भवनों का निर्माण कराया जा रहा है।

जबलपुर में दशहरा पर्व की तैयारियां तेज

जबलपुर, एजेंसी। आगामी विजयादशमी पर्व को ऐतिहासिक, भव्य और पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए जबलपुर नगर निगम प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है।

इसी कड़ी में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सुबह से ही निगम अमले के साथ शहर के मुख्य मार्गों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने सड़कों के गड्ढों को तुरंत भरने, मार्ग पर रोशनी की पुख्ता व्यवस्था करने और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, पूजा समितियों और पंडाल संचालकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर सुरक्षा के सभी मानकों, विशेषकर अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता और विद्युत सुरक्षा का पालन करने पर जोर दिया गया।

पंजाब में भी दिल्ली की कहानी

—अशोक त्रिपाठी

इसे एक संयोग भी कहा जा सकता है और राजनीतिक दांव–पेच भी। पंजाब में पांच महीने बाद विधान सभा के चुनाव होने हैं। वहां आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के कैंप ऑफिस पर सीबीआई का छापा पड़ा। सीएम के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। तपिश भगवंत मान तक पहुंच सकती है। इसी तरह दिल्ली में जब विधानसभा के चुनाव होने वाले थे, तभी एलजी ने तत्कालीन आप सरकार की नयी आबकारी नीति में भ्रष्टाचार की दुर्गंध महसूस की। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन जारी किये। मंत्री, उपमुख्य मंत्री से लेकर मुख्य मंत्री तक जेल पहुंच गए थे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार जाने का यह भी एक कारण माना जा रहा है। अब पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले वही कहानी शुरू हुई है। नतीजा देखना बाकी है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कैंप ऑफिस और उनके ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन के चंडीगढ़ स्थित आवास पर गत 6 अक्टूबर को सीबीआई ने छापेमारी की। यह कार्रवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश के एक दिन बाद हुई है, जिसमें कोर्ट ने मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंपते हुए केस दर्ज करने का निर्देश दिया था। राजनीतिक जानकारों का अनुमान है कि इससे पंजाब के सीएम भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई ने पंजाब के सीएम कैंप के ऑफिस में छापेमारी की है। इस कार्रवाई पर सीएम भगवंत मान की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। सीबीआई ने सीएम भगवंत मान के ओएसडी समेत 6 के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है। इस प्रकार पंजाब में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई हुई है। इस छापेमारी को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान का बयान भी सामने आ गया है । उन्होंने कहा है कि उनको जो लोगों से प्यार मिल रहा है, उससे बीजेपी घबरा गई है। पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जांच के आदेश को चुनौती दी है। कोर्ट से अर्जेंट सुनवाई की मांग करते हुए कहा– राज्य में जल्द चुनाव होने वाले हैं, इसलिए मामले की सुनवाई शीघ्र होनी चाहिए।

मामला क्या है, इस प्रकरण पर भी नजर डाल लें। यह कार्रवाई पंजाब में कथित कैश फॉर पोस्टिंग और टेंडर घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में की जा रही है। पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। कोर्ट ने सीबीआई को जल्द केस दर्ज करने और दो महीने के अंदर जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए थे। इसी सिलसिले में चंडीगढ़ के सेक्टर 2 के हाउस नंबर 50 यानी पंजाब सीएम के कैंप ऑफिस में सीबीआई की छापेमारी हुई है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, बीजेपी ने पंजाब चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। मेरे कैंप ऑफिस पर सीबीआई का छापा पड़ा। अब पंजाब सरकार और मुझे बदनाम करने के लिए पंजाब में ईडी और सीबीआई का गलत इस्तेमाल किया जाएगा। लोगों से मिल रहे प्यार से बीजेपी घबरा गई है।

पंजाब के मुख्यमंत्री के कैंप ऑफिस, कोठी नंबर 50, सेक्टर–2 में 6 अक्टूबर शाम करीब 6 बजे सीबीआई की टीम पहुंची और छापेमारी शुरू की। सीबीआई की टीम दो गाड़ियों में आई थी। उनके साथ एक बस में सीआरपीएफ के जवान भी मौजूद थे। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए 5 अक्टूबर देर रात करीब 2 बजे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सरकार ने मामले में जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने से पहले ही सीबीआई ने पंजाब में कार्रवाई शुरू कर दी।

सीबीआई की कार्रवाई सिर्फ चंडीगढ़ तक सीमित नहीं है। मोहाली के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री के ओएसडी राजवीर घुम्मन के संगरूर जिले के घराचों गांव स्थित घर पर भी सीबीआई की रेड हुई। इस मामले पर आप नेता केजरीवाल ने भी अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, चुनाव से दो महीने पहले पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय पर सीबीआई की रेड बीजेपी की बौखलाहट का नतीजा है। जब से सेंटर में बीजेपी की सरकार आई है उसने पंजाबियों के साथ हमेशा ही धक्का किया है चाहें किसान आंदोलन हो, पंजाब के पानी का मुद्दा हो, पंजाब यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो और अब तो उनके चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ भी धक्का कर रही। बीजेपी चुनाव लड़के पंजाब में जीत नहीं सकती तो ईडी–सीबीआई के सहारे चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन पंजाबियों ने अपना मन बना लिया है और बीजेपी के सीबीआई रेड का जवाब आने वाले चुनाव में भगवंत मान को 100 सीटों से जीता कर दोबारा मुख्यमंत्री बनाकर देंगे।

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से मिली रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने पंजाब के मुख्यमंत्री के ओएसडी और उसके साथियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एफ आई आर दर्ज की है।

आरोप है कि आरोपी पैसे के बदले अधिकारियों, जिसमें आईएएस और आईपी एस के अधिकारी भी शामिल हैं, की पोस्टिंग और विभागीय कार्रवाई को प्रभावित करते थे। सीबीआई का दावा है कि उसके पास कम से कम 21 अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग में लेन देन के सबूत हैं।इसके अलावा नीति बनाने, प्रशासनिक मंजूरी, टेंडर की शर्तें, लाइसेंस, जमीन के इस्तेमाल में बदलाव, संपत्ति विवाद और राजस्व व जमीन से जुड़े मामलों में भी दखल देने के आरोप हैं।

सीबीआई के मुताबिक, आरोपी सरकारी कर्मचारियों पर यह भी आरोप है कि वे सरकार की ओर से आदेश और नीतियां जारी होने से पहले उनके ड्राफ्ट निजी लोगों को उपलब्ध कराते थे।

लोकतंत्र का स्वाद चखते मोदी–शाह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जुबान पर सत्ता का स्वाद चढ़ा हुआ है, लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने इन दोनों सत्ताधीशों को लोकतंत्र का स्वाद अच्छे से चखा दिया है। इंडिया के सांसदों का चुनाव आयोग तक प्रदर्शन मार्च तो बीच में ही रोक दिया गया और तमाम सांसदों को हिरासत में लिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने शाम तक गिरफ्तार किया, लेकिन देर रात छोड़ना भी पड़ा। इसके बाद मोदी–शाह ने शायद मान लिया था कि अब कुछ वक्त तक इंडिया के सांसद शांत बैठेंगे। आखिर विपक्ष के 250–300 सांसदों को बार–बार इकट्ठा तो नहीं किया जाएगा, वह भी तब जब संसद सत्र न चल रहा हो। लेकिन मोदी–शाह की सोच के विपरीत मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमाम सांसदों को दिल्ली में सागर रत्ना नाम के दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए मशहूर रेस्तरां में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित कर लिया।भाजपा ने इसका भी मजाक उड़ाया कि क्या राहुल को पता नहीं कि सागर रत्ना शुद्ध शाकाहारी व्यंजन ही परोसता है। दरअसल आकाशवाणी परिसर में जब राहुल गांधी ने खान चाचा का चिकन रोल खाया था, तो उस पर भाजपा ने खूब ट्रोल किया था कि राहुल ने नॉनवेज रोल खाया। बहरहाल, शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के चयन पर अपना समय बिताती भाजपा ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया कि भोजन की मेज पर केवल भोजन ही नहीं होता है, महत्वपूर्ण रणनीतियां भी बनती हैं।

नारी सशक्तिकरण का पर्व है नवरात्र

—मनोज कुमार अग्रवाल

भारत त्योहारों का देश है जहां हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व और पौराणिक कथा होती है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्र। यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना और शक्ति आराधना का प्रतीक है। नवरात्र मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है, जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्र का अर्थ है नौ रातें। इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं और भक्ति में लीन रहते हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं– शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री।

नवरात्र का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्र और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्र के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्र अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्र हिन्दू कैलेंडर के चौत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्र आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है।

नवरात्र से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ति और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन–जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा–जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने–अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने–कोने में श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्हीं में से एक है नवरात्र।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्र के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्र वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्र के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है। नवरात्र एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। भारत में नवरात्र अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती हैं। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्र के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकी पूजा की जाती है। नवरात्र के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी– समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्र समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ किशोरियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग–अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजेय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिये और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थीं।

हार्ट को बीमारी मुक्त बनाने के लिए पावरफुल योग

योग में इतनी शक्ति है कि इसे करने से हार्ट का ब्लॉकेज भी हट सकता है। अब यह बात रिसर्च में भी प्रमाणित हो चुका है। यदि आप एक्सपर्ट की निगरानी में योगाभ्यास करेंगे तो निश्चित रूप से इसके कई बेहिसाब फायदे तो मिलेंगे ही हार्ट से संबंधित कई बीमारियों का स्वतः ही इलाज हो जाएगा और इसके लिए दवा की भी जरूरत नहीं होगी। योग से हार्ट के मसल्स मजबूत होते हैं। योग को करना भी बेहद आसान है। एक बार सीख लिया तो हमेशा के लिए आप इसे कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि वे कौन से योगाभ्यास है जिन्हें करने से हार्ट से संबंधित दिक्कतों का नाश होता है।

♦ *सेतुबंध योगाभ्यास या बृज पोज*– सेतुबंध का मतलब ही होता है पुल को बांधना। यानी ब्रिज पोज में आपको पुल की तरह पोज बनाना होता है। इसे करने के लिए पेट के बल लेट जाएं और अपने दोनों घुटनों को धीरे–धीरे मोड़ें और दोनों हाथों को सामने की ओर रखें। फिर एड़ी के सहारे हिप्स को उपर उठाएं। इससे पेट और रीढ़ की हड्डी उपर उठ जाएगी। आपका भार नीचली रीढ़ पर होना चाहिए। धीरे–धीरे सांस छोड़े और फिर फर्श पर सहज होकर लेट जाएं। यह क्रिया क्षमतानुसार दोहराएं। इस ब्रिज पोज से हार्ट के मसल्स पर दबाव पड़ता है जिससे यह मजबूत बनता है।

जरूरी खनिजों का भंडार बनाएगा भारत, एक महीने में आ सकती है नई नीति

खान मंत्रालय महत्त्वपूर्ण खनिजों के भंडारण की नीति को अंतिम रूप देने के करीब है और वह इसकी घोषणा करीब एक महीने में कर सकता है। खान सचिव केशव चंद्र ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा, 'हम महत्त्वपूर्ण खनिजों का भंडार बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। हम इन भंडार के लिए बहुत विस्तृत योजनाएं बना रहे हैं।'

चंद्र ने कहा,'देश में हर खनिज के लिए खदानें होना जरूरी नहीं है।' जिन खनिजों की देश में 'पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता नहीं है', उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि इस नीति को लगभग एक महीने में अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नीति के प्रोटोकॉल में यह भी शामिल है कि खनिजों को उपयोगकर्ताओं तक कैसे पहुंचाया जाएगा।

चंद्र ने कहा, ' इस भंडार के लिए प्रोटोकॉल काफी विस्तृत हैं। इसे कब जारी करना है, कितनी मात्रा में जारी करना है और किसे जारी करना है, ये सभी बातें बहुत महत्त्वपूर्ण हो जाती हैं। इसलिए खनिजों का भंडार तैयार करना गोदामों में सामान रखने से थोड़ा अलग होता है।'

खनिजों का भंडार तैयार करने की प्रस्तावित नीति भारत के उन कई प्रयासों में एक और कड़ी जोड़ेगी, जिनका मकसद रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। आधुनिक और उन्नत विनिर्माण के लिए ये खनिज अब बेहद जरूरी हो गए हैं।

टोयोटा फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन का भारत में लॉन्च

टोयोटा फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन को सामान्य फॉर्च्यूनर से अलग पहचान देने के लिए कई नए बदलाव किए गए हैं। इसके आगे की ग्रिल को नया रूप दिया गया है। इसके अलावा, गाड़ी में चमकदार काले रंग के अलॉय व्हील और उनसे मेल खाते हब कैप दिए गए हैं। पीछे के दरवाजे की सजावट, एंटीना और छत पर भी काले रंग का इस्तेमाल किया गया है। गाड़ी के किनारों पर नई सजावटी पट्टियां और बोनट पर खास निशान भी दिया गया है। इन बदलावों का मकसद एसयूवी को पहले से ज्यादा आकर्षक लुक देना है।

गाड़ी के अंदर भी कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। इसकी सीटों और दरवाजों की सजावट में काले और मैरून रंग का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही केबिन में एम्बिएंट लाइटिंग और दरवाजे के नीचे पैर रखने वाली जगह पर रोशनी वाली प्लेटें दी गई हैं। हालांकि, गाड़ी के अंदर की बाकी बनावट पहले जैसी ही रखी गई है।

विदेशी छात्रों को आकर्षित कर सकता है भारत : जोशी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत के पास अंतरराष्ट्रीय छात्रों खासकर विकासशील देशों के छात्रों के लिए पसंदीदा जगह के तौर पर उभरने का मौका है। दरअसल, कई देश विदेशी छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई करना मुश्किल बना रहे हैं।

जोशी ने 21वें फिक्की हायर एजुकेशन समिट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत बदलते वैश्विक माहौल का फायदा उठाकर छात्रों को आकर्षित कर सकता है। भारत विश्वविद्यालय और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाकर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार कर सकता है।

जोशी ने कहा, 'ऐसे समय में जब कई देश अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई करना मुश्किल बना रहे हैं, भारत के पास शिक्षा के लिए पसंदीदा जगह बनने का वास्तविक मौका है, खासकर विकासशील देश के छात्रों के लिए।'

मंत्री ने उद्योग से कहा कि वे लोगों को सिर्फ नौकरी पर रखने से परे जाकर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करें, शोधकर्ताओं का समर्थन करें, प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करें और उद्योग की वास्तविक समस्याओं को प्रयोगशालाओं तक लाएं। उन्होंने कहा कि भारत के शिक्षा और नवोन्मेश पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार, विश्वविद्यालय और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल जरूरी होगा।

शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव आनंदराव पाटिल ने जोशी के समर्थन में कहा कि देश की उच्च शिक्षा प्रणाली को तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की जरूरत है। यह माहौल सख्त स्टूडेंट वीजा नियमों, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और बदलती आपूर्ति श्रृंखला से तय हो रहा है।

पाटिल ने कहा, 'दुनिया कई मोर्चों पर एक साथ बदल रही है। दरअसल जो देश कभी विदेशी छात्रों स्वागत करते थे, वे अब अपने दरवाजे बंद कर रहे हैं। इतनी तेजी से एआई बदल रहा है कि किसी भी पाठ्यक्रम के अपडेट होने से पहले ही यह तय हो जाता है कि एक ग्रैजुएट को क्या जानने की जरूरत है। ऊर्जा बदलाव से ऐसे उद्योग बन रहे हैं जो एक दशक पहले मौजूद नहीं थे। सामान, तकनीक और कौशल के लिए आपूर्ति श्रृंखला को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत के पास ज्यादा विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का मौका है।

गृह मंत्रालय से मंजूरी के बाद ही शुरू होंगी सैटकॉम सेवाए : सिंधिया

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाएं गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद ही शुरू हो सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के आरोपों का समर्थन करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना भी साधा। सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता है।

उन्होंने कहा कि एक खास कंपनी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन देश में तीन कंपनियों को सैटकॉम लाइसेंस मिल चुके हैं। इनमें से हरेक कंपनी को सुरक्षा संबंधी शर्तें पूरी करने के बाद ही सेवाएं शुरू करने की अनुमति मिलेगी। सिंधिया मस्क के उन आरोपों से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि एक

भारतीय कारोबारी समूह के प्रभाव में आकर उनकी कंपनी स्टारलिंक की सैटकॉम सेवाओं को शुरू करने से रोका जा रहा है।

दूरसंचार विभाग ने बृहस्पतिवार को इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि देश में सैटकॉम लाइसेंस प्राप्त सभी कंपनियों को सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। इसके बाद मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सवाल किया था कि क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं।

दूसरे व्यक्ति के बारे में पता चलने का इंतजार कीजिए।" इस मामले में सिंधिया ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी पहले एक व्यक्ति को लाइसेंस दिए जाने से परेशान थी और अब उसी व्यक्ति के सेवाएं शुरू नहीं कर पाने पर सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि कांग्रेस को खुद स्पष्टता है या नहीं कि वह किस दिशा में जा रही है, लेकिन कांग्रेस के साथ ऐसा होना अपेक्षित है।" उन्होंने कहा कि दूरसंचार विभाग किसी खास प्रौद्योगिकी का पक्ष नहीं लेता है। उसका उद्देश्य ग्राहकों को विभिन्न सेवाओं के विकल्प उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी पसंद की सेवा और कंपनी चुन सकें।

सिंधिया ने बताया कि मस्क की स्टारलिंक, रिलायंस जियो की सैटकॉम इकाई जियो सैटकॉम और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब को लाइसेंस मिल चुके हैं।

मखाना एक्सपोर्ट को रफ्तार देगा बिहार, 2030–31 तक 30 हजार टन का लक्ष्य तय : विजय कुमार सिन्हा

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य का मखाना 20 से अधिक देशों के बाजारों में पहुंच चुका है। राज्य के कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030–31 तक मखाना का निर्यात बढ़ाकर 30 हजार टन करना है। कृषि विभाग के अनुसार, राज्य सरकार कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशिष्ट पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है।

सिन्हा ने बताया कि सरकार वित्त वर्ष 2026–27 से 2030–31 तक पांच साल के लिए 'मखाना से समृद्धि अभियान' चला रही है। इसके तहत मखाना की खेती का रकबा दोगुना करने, उत्पादन बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिहार की हिस्सेदारी मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है।

मंत्री के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 में भारत ने 20 से अधिक देशों को 7,200 टन से अधिक मखाना और उससे बने अन्य उत्पादों का निर्यात किया। इससे 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय हुई।

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN
ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

गौतम गंभीर ने बेहतर पिचों की वकालत की, हालांकि गेंदबाजों को खुद रास्ता निकालने की दी नसीहत

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 249 रन का लक्ष्य बचाने में नाकाम रहने के बाद भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बार फिर बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन की वकालत की।

उन्होंने सपाट पिच और भारी ओस के कारण गेंदबाजों के सामने आई चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन साफ किया कि भारत को ऐसी परिस्थितियों में भी विपक्षी टीम को रोकने का तरीका तलाशना होगा।

वेस्टइंडीज ने शाई होप की शानदार बल्लेबाजी के दम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल किया। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में गंभीर ने कहा कि वह भी बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला देखना चाहते हैं। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्या आप नहीं चाहते कि बल्ले और गेंद के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो? हम भी वही चाहते हैं जो आप चाहते हैं। अगर आप सिर्फ छक्के और चौके देखना चाहते हैं, तो हम भी वही चाहते हैं। अगर आप बराबरी का मुकाबला चाहते हैं, तो हम भी वही चाहते हैं। उन्होंने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा, "ये हमारे गेंदबाज हैं।

उनका करियर भी दांव पर है। उन्होंने भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने मेहनत नहीं की। अगर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होगा, तो यह अच्छा होगा और हमें बेहतर क्रिकेट देखने को मिलेगा।"

हालांकि, गंभीर ने हार के लिए केवल पिच और ओस को जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया। उन्होंने वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत को ऐसी परिस्थितियों में भी बड़े स्कोर का बचाव करना सीखना होगा।

गंभीर ने कहा, "आप किसी भी हार को नजरअंदाज नहीं कर सकते। अगर आप लगातार बेहतर होना चाहते हैं, तो किसी भी बात को छिपाना नहीं चाहिए। हम विश्व चौंपियन टीम हैं और इसलिए लगातार सुधार करना चाहते हैं।"उन्होंने कहा, "इन परिस्थितियों में गेंदबाजी करना मुश्किल होता है। हम जानते हैं कि सपाट पिच और ओस के कारण गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ जाती है। लेकिन हमें विपक्षी टीम को रोकने का तरीका निकालना होगा, खासकर तब जब उसने पहले ओवर में दो विकेट गंवा दिए हों और शुरुआती छह ओवर में तीन विकेट खो दिए हों।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना बनीं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट

यूनिसेफ इंडिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं।

भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।

रोहित के रिहैब की जानकारी बीसीसीआई ने छिपाई

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 के बाद हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के लिए बंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब किया था, लेकिन बीसीसीआई ने इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की। यह दावा एक एजेंसी ने सीओई की सालाना रिपोर्ट के हवाले से किया है। अप्रैल, 2025 से मार्च, 2026 के बीच टीम इंडिया के 32 क्रिकेटर्स ने सीओई में रिहैब किया है। इनमें बीसीसीआई के 20 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले और 12 टार्गेटेड इंडिया–ए कैटेगरी खिलाड़ी हैं। खिलाडियों को हुई चोटों में इकलौता गंभीर मामला ऋषभ पंत का था। जुलाई, 2025 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान उनके पैर की हड्डी टूट गई थी। वे रिकवरी के लिए सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) पहुंचे थे।

आईपीएल 2026 के बाद सीओई में रिहैब कराने वाले खिलाडियों की संख्या बढ़ी है। इसके बाद से हर सीरीज में कम से कम दो खिलाडियों के चोटिल होने की बात कही गई है। सीओई की स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन टीम ने अप्रैल, 2025 से मार्च, 2026 के बीच महिला और पुरुष मिलाकर कुल 68 खिलाडियों की चोटों का इलाज और मैनेजमेंट किया।

हार्दिक पांड्या, हर्षित राणा और नीतिश कुमार रेड्डी ने पिछले 18 महीनों में कम से कम 4–4 महीने सीओई में बिताए। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों खिलाड़ी बार–बार चोटिल होने के कारण रिहैब के लिए पहुंचे। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और प्रसिद्ध कृष्णा भी बार–बार चोट से जूझने वाले खिलाडियों में शामिल हैं। 30 सितंबर तक भारतीय खिलाडियों की सूची में विराट कोहली, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे के नाम भी शामिल थे। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि हर खिलाड़ी कितनी बार सीओई पहुंचा। बीसीसीआई ने सीओई के लिए 2026–27 का अनुमानित खर्च बढ़ाकर 127 करोड़ रुपए कर दिया है। जो कि पिछले फाइनांशियल ईयर में 92 करोड़ रुपए था। बजट में करीब 35 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

अनन्या पांडे ने किया एनआईएफ ग्लोबल के बांद्रा कैंपस का उद्घाटन

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने मुंबई के बांद्रा स्थित एनआईएफ ग्लोबल के नए कैंपस का उद्घाटन किया। संस्थान की स्टाइल आइकन के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुईं अनन्या ने फैशन, इंटीरियर डिजाइन और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने फिल्मी सफर, व्यक्तिगत स्टाइल और पेशेवर जीवन के अनुभव साझा किए। नए कैंपस की शुरुआत को मुंबई के युवाओं के लिए रचनात्मक शिक्षा और करियर के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और फैशन एवं मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। एनआईएफ ग्लोबल कॉर्पोरेट की क्रिएटिव एजुकेटर तिशा खोसला ने अनन्या के साथ संवाद किया, जिसमें फैशन के बदलते रुझानों, व्यक्तिगत स्टाइल और डिजाइन के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर चर्चा हुई। अनन्या ने कहा कि फैशन उनके लिए खुद को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों के विचारों और सपनों को जानने पर खुशी जताते हुए कहा कि युवाओं को अपनी रचनात्मकता पहचानने और जुनून को करियर में बदलने के अवसर मिलने चाहिए। कार्यक्रम में सवाल–जवाब का सत्र भी हुआ, जहां विद्यार्थियों ने उनसे फैशन, स्टाइलिंग, मॉडलिंग और बॉलीवुड में करियर बनाने से जुड़े सवाल पूछे। इसके बाद अनन्या ने उनके साथ कुछ मनोरंजक गतिविधियों में भी हिस्सा लिया।

तो सोशल मीडिया पर झूठ दिखा रहे एक्टर्स? तापसी पन्नू ने इस कोशिश में बर्बाद किए कई साल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के ट्रोल्स की खुलेआम चल रही मनमानी पर सवाल उठाने के बाद बहुत से एक्टर्स ने इस बारे में बात की है। अब वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने भी इस बारे में बात की है और बताया है कि कैसे उन्होंने लोगों को खुश करने और सोशल मीडिया पर अपनी परफेक्ट इमेज दिखाने की कोशिश में सालों बर्बाद किए हैं। तापसी ने बताया कि ट्रोल्स, फोटोग्राफर्स और मीडिया कैसे अभिनेताओं की मेंटल हेल्थ को प्रभावित करते हैं और कैसे आज इन्हीं चीजों की वजह से एक्टर्स ने अपना असली रूप सोशल मीडिया पर दिखाना बंद कर दिया है। वो ऐसी इमेज इंस्टा पर दिखाते हैं जो काफी हद तक परफेक्ट लगे और लोगों को पसंद आए। तापसी पन्नू ने भ्ज के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने खुद सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला क्यों किया। एक्ट्रेस ने कहा कि एक वक्त के बाद मैंने सोशल मीडिया से रिश्ता तोड़ लिया, क्योंकि मैं अपने असली रूप से झूठ नहीं बोल सकती थी। मेरे पास दो विकल्प थे, पहला सोशल मीडिया से दूर रहना और दूसरा मानसिक रूप से परेशान होना, इसलिए मैंने पहला विकल्प चुना। डंकी फेम एक्ट्रेस ने कहा– सेलेब्स का मजाक उड़ाना अब आम बात हो गई है, लेकिन इसका असर हर

किसी पर पड़ता है। तापसी ने कहा, "ट्रोल्स सवाल उठाते हैं कि इन एक्टर्स को मौके क्यों मिलते हैं, किसी के इंडस्ट्री में रहने या हटाए जाने के सवाल ऐसे लोग उठाते हैं जो किसी के प्रोफेशन पर सवाल उठाने के लायक नहीं हैं। इसने एक्टर्स को असुरक्षित बना दिया है और इसका नतीजा यह हुआ है कि एक्टर्स ने सोशल मीडिया पर अपना असली रूप दिखाना बंद कर दिया है। उन्होंने वह छवि अपनानी शुरू कर दी है जो लोगों को ज्यादा पसंद आती है और ज्यादा बिकती है। आप किसी इंसान से नहीं, बल्कि एक ब्रांड से जुड़ रहे हैं।" तापसी पन्नू ने बताया, "ज्यादातर भारतीयों की तरह पहले मैं भी यही सोचती थी कि मेंटल हेल्थ सपोर्ट की जरूरत तभी होती है जब आप पागल हो जाते हैं। फिर धीरे–धीरे मुझे समझ आया कि इसके कई पहलू हैं। मुझे लगता था कि आपको थेरेपिस्ट के पास जाने की जरूरत तब होती है जब आप गंभीर डिप्रेशन में चले जाएं, या फिर अपने इमोशन्स खुलकर जाहिर नहीं कर पा रहे हों। लेकिन फिर मुझे समझ आया कि मेंटल हेल्थ का मतलब वर्तमान में जीना और जो कुछ आपके पास है, उसमें शांति तलाशना है।" उन्होंने कहा, ष्मैं सबको खुश करने की नाकाम कोशिश कर रही थी। मैं पूरी तरह थक गई थी और इस स्थिति को स्वीकार करने में मुझे सालों लग गए। मुझे एहसास हुआ कि मैंने ट्रोलर्स को खुश करने में सालों बर्बाद कर दिए, बजाय इसके कि मैं उस वक्त को बतौर एक्टर खुद पर काम करने में लगाती। तापसी पन्नू ने कहा कि वो मीडिया प्लेटफॉर्म जो एक्टर्स को क्रिटिसाइज करते रहते हैं, वो भी एक्टर्स की मेंटल हेल्थ को प्रभावित करते हैं। तापसी ने माना कि सोशल मीडिया ने एक्टर्स को चिंता और कंपैरिजन का शिकार बना दिया है।

डर के मारे पैरालाइज हो जाती, कटरीना का बॉडी शेमिंग करने वाले ट्रोल्स को करारा जवाब

कटरीना कैफ को कुछ समय पहले विकी कौशल के साथ अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन के दौरान स्पॉट किया गया था। इस दौरान उनके डिलीवरी के बाद बढ़े वजन को लेकर ट्रोल किया जा था। अब कटरीना का ट्रोलिंग पर रिएक्शन दिया है।

लंदन में अपने के ब्यूटी ब्रांड के इवेंट में कटरीना बोलती हैं, मुझे लगता है कि हमें ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर जो आपको लेकर नरेटिव है, उसका आप पर असर न पड़े, क्योंकि वहां कई ओपिनियन होते हैं और अगर हम उस पर ध्यान दें तो फिर हम अपने लिए अच्छे फैसले नहीं ले पाएंगे। कटरीना ने आगे कहा, पर्सनली मेरे लिए, अगर बार–बार जो मैं क्रिटिक या कमेंट फेस करती हूं, उसके हिसाब से मैं काम करूं तो मुझे लगता है कि मैं डर के मारे पैरालाइज हो जाती और लाइफ में कभी आगे नहीं बढ़ पाती। कटरीना ने फिर कहा, कई बार ऐसा समय आता है, जब सब कर लेती हैं और फिर एक समय आता है कि आपको लगता है कि कुछ सही नहीं हो रहा। हमें फन के साथ लाइफ एंज्वाय करनी चाहिए।

ब्यूटी ब्रांड लांच करने वाली हैं जान्हवी कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर के अपना ब्यूटी ब्रांड लांच करने की अटकलें तेज हो गई हैं। जान्हवी कपूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में मेकअप के साथ प्रयोग करते और कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स के साथ नजर आने के बाद इन चर्चाओं को हवा मिली है। जान्हवी की इस पोस्ट ने प्रशंसकों और ब्यूटी इंडस्ट्री में दिलचस्पी रखने वालों का ध्यान आकर्षित किया है।

पोस्ट में उनके हाथों में कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, जान्हवी या उनकी टीम की ओर से अब तक ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रेखा न बताया था क्यों लगाती हैं सिंदूर

रेखा पर लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' के मुताबिक मौका था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का। रिवायतन राष्ट्रपति सबको सम्मानित करते हैं। रेखा को 1981 की कल्ट फिल्म उमराव जान के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिल रहा था। स्टेज पर पहुंची। तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी ने पूछा, 'आप मांग में सिंदूर क्यों भरती हैं? रेखा ने जवाब दिया था, 'मैं जिस शहर से आती हूं, वहां मांग में सिंदूर भरना आम बात है। फैशन है! रेखा 3 साल की थीं तब से फिल्मों में काम कर रही हैं। 1969 में पहली हिंदी फिल्म सावन भादो की। बिलकुल इंट्रेस्ट नहीं था फिर भी काम किया। टर्निंग प्वाइंट घर लेकर आया। रेप विक्टिम का किरदार शिद्दत से निभाया। क्रिटिक्स ने काम को खूब सराहा और तब से बकौल रेखा उन्होंने एक्टिंग पर ध्यान देना शुरू कर दिया।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम
कार्पोरेट कार्यालय–
सेक्टर–सी0–1, सी0–25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0–226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0–0522–4010844
Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com@tvindialivedigi